ISSN Print: 2394-7500
ISSN Online: 2394-5869
Impact Factor: 8.4
IJAR 2021; 7(1): 194-199
www.allresearchjournal.com
Received: 20-11-2020
Accepted: 25-12-2020

चन्द्रकली पटेल
शोधार्थी, राजनीति विज्ञान विभाग, शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा, मध्य प्रदेश, भारत

डॉ. गायत्री मिश्रा
प्राध्यापक, राजनीति विज्ञान विभाग, शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा, मध्य प्रदेश, भारत

Corresponding Author:
चन्द्रकली पटेल
शोधार्थी, राजनीति विज्ञान विभाग, शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा, मध्य प्रदेश, भारत

श्री नरेन्द्र मोदी जी की लोकप्रियता एवं प्रभावी कदमों का अध्ययन

चन्द्रकली पटेल एवं डॉ. गायत्री मिश्रा

सारांश
श्री मोदी जी की लोकप्रियता एवं प्रभावी कदम उन्नतिशील, आर्थिक नीति, कुशल कार्यशैली, मेहनत, लगन, संघर्ष के चलते वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में पूर्ण बहुमत हासिल करते हुए प्रधानमंत्री के रूप में भारतीय लोकतंत्र में राजनीति के शिखर पर है। प्रधानमंत्री पद की शपथ लेते ही श्री मोदी जी ने भावुक होकर अपने उद्‌बोधन के माध्यम से सम्पूर्ण देश के नागरिकों से कहा कि यह सरकार पूर्णतः गरीबों को समर्पित है। नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता का आरम्भ से ही दम भर रहे भाजपा अध्यक्ष राजनाथ सिंह ने जीत का सेहरा उनके ही माथे पर बांध दिया, शुक्रवार शाम जीत के लिए जनता और कार्यकर्ताओं का धन्यवाद देते हुए कहा यह जनादेश परिवर्तन के लिए हैं, भाजपा जनता के भरोसे पर खरी उतरेगी।
मोदी जी की लहर में विजय सुनिश्चित होते ही राजनाथ ने ऐतिहासिक जीत के प्रति खुशी जताते हुए कहा भाजपा ने देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस से भी बड़ा ढांचा बना लिया। तीन दशक बाद किसी पार्टी को बहुमत मिला है, उन्हें इस उत्तरदायित्व का एहसास हो रहा है। भाजपा ने जाति, पंथ, मजहब, वर्ग की सीमा को पार कर लिया यह जनादेश मोदी जी की प्रमाणिकता के लिए जनादेश है, अच्छे दिन आने वाले हैं कि तर्ज पर ही राजनाथ सिंह ने अटल बिहारी बाजपेयी को उद्धृत करते हुए कहा कि अंधेरा घटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा।

मुख्य शब्द : श्री नरेन्द्र मोदी जी, लोकप्रियता, प्रभावी कदम

प्रस्तावनाः
भारतीय राजनीति के शिखर पुरूष और भारतीय लोकतंत्र के वर्तमान यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी दिनांक 26 मई सन् 2014 को भारत गणराज्य के प्रधानमंत्री के रूप में पदस्थ हुए। यद्यपि 16 मई 2014 को जब ईवीएम की मशीनों में लोकसभा चुनाव परिणाम उगलने शुरू किये तो सारा हिन्दुस्तान झूम उठा। भारतीय जनता पार्टी और नरेन्द्र मोदी को लोकसभा की इतनी सीटें मिली थी जिनका अंदाजा स्वयं भारतीय जनता पार्टी को भी नहीं था। गुजरात, राजस्थान, हिमांचल प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली सहित कुल 10 राज्य ऐसे थे जहां मुख्य राजनीतिक दल कांग्रेस का खाता तक नहीं खुल सका था। आजादी के बाद पहली बार था कि किसी गैर कांग्रेसी राजनीतिक दल को स्वयं अपने बूते केन्द्र में सरकार बनाने का बहुमत मिला था। यह भी पहली बार था कि किसी भी विरोधी दल को इतनी सीटें भी नहीं मिली थी कि उसके नेता को नेता प्रतिपक्ष का दर्जा मिल पाता।[1]
जनता ने नरेन्द्र मोदी को जी भर कर वोट दिए थे, 16 मई को जब परिणाम आने शुरू हुए तो सभी अवाक रह गए। अगले दिन के समाचार पत्र सिर्फ नरेन्द्र मोदी की जीत की खबरों से ही भरे हुए थे। यहां कुछ प्रमुख हिन्दी समाचार पत्रों की सम्बन्धित खबरों को प्रकाशित किया जा रहा है जिनसे पता चलता है कि नरेन्द्र मोदी लहर में कांग्रेस की न सत्ता बची, न साख क्योंकि जनता मोदी जी पर विश्वास की है। संप्रग तीन की सरकार बनाने का दम भर कर चुनावों में उत्तरी कांग्रेस न सत्ता बचा पाई, न साख, देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी अपनी ऐतिहासिक हार से दो चार है। 2009 में 206 सीटे हासिल करने वाली पार्टी महज 53 सीटों तक सिमट कर रह गई।
संप्रग अध्यक्ष सोनिया गांधी और उपाध्यक्ष राहुल गांधी ने जनता के आदेश के आगे हार तो स्वीकार कर ली, लेकिन राहुल के चेहरे की फीकी मुस्कान हालात की चुगली करने को काफी थी। हार के पतझड़ में कभी पार्टी का गढ़ यूपी में राहुल और सोनिया ही अपनी सीट बचाने में कामयाब रहे। जबकि देश भर में पार्टी के बड़े–बड़े दिग्गज धराशायी हो गये।
लोकसभा चुनावी ऐतिहासिक जीत के बाद जहाँ एक ओर अशोक रोड स्थित भारतीय जनता पार्टी मुख्यालय पटाखों की आवाज से गूंजता रहा, वही अकबर रोड स्थित कांग्रेस मुख्यालय में मातमी सन्नाटा पसरा रहा। मतगणना के दौरान जैसे–जैसे भाजपा का ग्राफ बढ़ता रहा वैसे–वैसे कार्यकर्ताओं का हुजूम भी मिठाई खिलाकर एक दूसरे को जीत की बधाई देते रहे।

भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय में जीत की खुशबू तो एक दिन पहले से तभी आने लगी थी जब लड्डू बनने आरम्भ हो गये थे। शुक्रवार की शुरूआती रूझानों से जीत का अंदाजा लगा चुके दिल्ली व एन.सी.आर. के भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भाजपा मुख्यालय का रूख कर लिया। दोपहर आते–आते जीत सुनिश्चित देख वरिष्ठ नेता भी पार्टी मुख्यालय पहुँचने लगे। बधाई देने और मिठाई बांटने का दौर दिन भर चलता रहा। जीत का यह जश्न मुख्यालय की चार दीवारी तक ही सीमित नही रहा, अपितु बाहर सड़कों में खूब आतिशबाजी हुई। बाहर का नजारा दिन में ही दीपावली मनाने जैसे दृष्टिगोचर हो रहा था।

शोध विधि :

शोधकार्य में विषयवस्तु से सम्बन्धित वास्तविक एवं विश्वसनीय सूचनाओं की प्राप्ति के लिए केन्द्र सरकार, राज्य सरकार एवं स्थानीय स्तर पर स्थापित कार्यालयों, स्वयंभूसेवी संगठनों, जनप्रतिनिधियों से आवश्यक सूचनाएँ, अभिलेख, दस्तावेज, पुस्तकें, पत्र–पत्रिकाएँ, शोध पत्रों का गहन अध्ययन कर उक्त कार्य को मूर्त रूप प्रदान करने का प्रयास किया गया है।

इंण्डिया इंक हुआ मोदी मय – देश का उद्योग जगत पिछले कई महीनों से जिस चीज की उम्मीद लगाये हुए था वह अन्ततः सच साबित हुआ। देश में एक सशक्त व स्थायी सरकार बनाने का रास्ता साफ हो गया। भाजपा को मिले स्पष्ट बहुमत का इण्डिया इंक ने जोरदार स्वागत करते हुए उम्मीद जतायी है कि नई सरकार अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए तत्काल कदम उठाने शुरू कर देगी। रीयल स्टेट बीमा कम्पनियों से लेकर आटो उद्योग ने राजग को मिले स्पष्ट बहुमत पर खुशी का इजहार किया है।

उद्योग चेम्बर सी.आई.आई. ने कहा है कि चुनाव परिणाम भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता को बताते हैं, इससे अर्थव्यवस्था को लेकर कुछ ठोस फैसले करने का मौका मिला है। अगर ऐसा किया जाता है तो चालू वित्त वर्ष के दौरान 6.5 प्रतिशत की विकास दर भी हासिल की जा सकती है, फिक्की ने कहा है कि यह बहुमत देश के युवा वर्ग के उम्मीदों को बताया है।

नई मोदी सरकार की निवेश के मुताबिक माहौल बनाने की कोशिश करनी चाहिए ताकि युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जा सके। ऐसोचैम ने उम्मीद जताई कि नरेन्द्र मोदी की सरकार गवर्नेस के मामले में गुजरात माडल का अनुसरण केन्द्र के स्तर पर करेगी। मंदी से त्रस्त उद्योग काफी समय से नई सरकार का इंतजार कर रहा था। अब जब कि नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में राजग की सरकार बनने जा रही है तो उद्योग जगत ने अपनी मंशा भी जतानी आरम्भ कर दी है। जनरल मोटर्स इण्डिया के वाइस प्रेसीडेन्ट पी. बालेन्द्रन का सुझाव है कि नई सरकार को जल्द से जल्द प्रत्यक्ष कर कोड (डीटीसी) और जीएसटी लागू करने के लिए कदम उठाये जाने चाहिए, साथ ही नई सरकार को श्रम सुधार की दिशा में भी आगे बढ़ाना चाहिए। रीयल्टी कम्पनियों ने भी स्थाई सरकार बनाने की आस में रीयल एस्टेट क्षेत्र में तेजी आने की उम्मीद जताई है।

मोदी जी ने देश को उम्मीद दी है – अपने कामकाज के बीच अमीर खान ने चुनाव परिणामों में रूचि दिखाई। दोपहर में आ रहे परिणामों को टी.वी. पर देख और नरेन्द्र मोदी को मिले स्पष्ट बहुमत पर खुशी जताई। उन्होंने बातचीत में यह उम्मीद जाहिर की नरेन्द्र मोदी वादों को अवश्य पूर्ण करेंगे और पूरे देश को प्रगति की राह पर ले चलेंगे।

अतः नरेन्द्र मोदी जी प्रधानमंत्री के रूप में देश को एक उम्मीद दी है, उन्होंने 2014 में लोकसभा चुनाव के पूर्व लगभग महीनों पहले भारत वर्ष की जनता जनार्दन ने नई उम्मीदें जगा दी है, प्रगति और देश के विकास का उन्होंने नारा दिया है, युवाओं को रोजगार देने का वादा किया है, साथ ही आर्थिक प्रगति का वादा है उनके ये वादे मतदाताओं को अच्छे लगे। युवकों, मजदूरों और व्यापारियों के मन में उन्होंने भारत की एक तस्वीर बसाई है, मोदी जी द्वारा देश की जनता के लिए खींचो यह तस्वीर अच्छी लगी। भ्रष्टाचार को समाप्त करने और खुशहाली लाने के लिए किये गये वायदे पर लोगों में अटूट भरोसा दिलाया है, उन्हें पूर्णरूप से स्पष्ट बहुमत मिला है, वे फैसले लेने में कामयाब हो सकते हैं।

ऐतिहासिक शपथ ग्रहण समारोह –

नरेन्द्र मोदी का 26 मई 2014 से भारतीय लोकतंत्र के 15वें प्रधानमंत्री का कार्यकाल राष्ट्रपति भवन के प्रांगण अशोकाहाल में आयोजित ऐतिहासिक शपथ ग्रहण के पश्चात प्रारम्भ हुआ, मोदी जी के साथ 45 अन्य केन्द्रीय मंत्रियों ने भी शपथ समारोह में पद और गोपनीयता की शपथ ली थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित भारतीय जनता पार्टी के 46 लोकसभा सदस्य सहित संसदों ने शपथ लिए जिसमें 36 केन्द्रीय मंत्रियों ने राष्ट्रभाषा हिन्दी में शपथ लिए तथा 10 मंत्रियों ने अंग्रेजी भाषा में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली थी। इस शपथ समारोह में भारत वर्ष के विभिन्न प्रांतों, क्षेत्रों के राजनीतिक दलों के प्रमुख नेता, राजनीति के शिखर पर पहुँचे राजनेता सहित सार्क देशों के राष्ट्राध्यक्षों को आमंत्रित किया गया था, विभिन्न पड़ोसी देश के प्रधानमंत्री एवं राष्ट्राध्यक्षों की उपस्थिति इस समारोह में काफी प्रशंसनीय रही। इस घटना को भारतीय राजनीति की राजनयिक कूटनीति के रूप में भी देखा जा रहा था।

भारत के अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों का विस्तार –

आज विश्व का कोई भी राष्ट्र अन्तर्राष्ट्रीय समाज की वास्तविकताओं और उसकी गव्यात्मक शक्ति के प्रभाव से अपने आपको चाहकर भी पृथक नहीं रख सकता। स्वतंत्र राष्ट्रों की पर राष्ट्रनीति एवं उनके अन्तर्सम्बन्धों को प्रभावित करने वाले कारकों एवं राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय हितों को निर्धारित करने व तार्किक लक्ष्य तक पहुंचने में अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति एवं सम्बन्ध सिर्फ राष्ट्रों का विषय हुआ करता था परन्तु आधुनिक विश्व की जटिलताएँ, सम्प्रेक्षणशीलता और वास्तविक अनिवार्यताओं के कारण अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति और सम्बन्धों के विषय क्षेत्र में राष्ट्रों के साथ–साथ व्यक्ति तक आ गये हैं और नागरिक अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति एवं सम्बन्धों की जटिलताओं और बारीकियो को समझने एवं समय–समय पर अपने अभिमत देकर अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति एवं सम्बन्धों की दिशा को भी परिवर्तित करने लगे हैं। किसी भी राष्ट्र की नीतियों से दूसरा राष्ट्र और विभिन्न राष्ट्रों की नीतियों एवं अर्न्तसम्बन्धों से विश्व के नागरिक अछूते नहीं है, इसलिए विशेषतः राजनीति, विज्ञान, विषय वस्तु के चलते अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति एवं उसके सम्बन्धों के बारे में अधिक से अधिक स्पष्ट विश्लेषण करना समीचीन एवं अति आवश्यक होता है।

आधुनिक समय में राष्ट्र और व्यक्ति अलगाव में न तो अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकते हैं और न ही विकास क्योंकि पृथक्करण विकास के सभी मार्गों को अवरूद्ध करता है, एक व्यक्ति/राष्ट्र कितनी ही सक्षम शक्ति सम्पन्न क्यों न हो उसे दूसरे व्यक्ति राष्ट्रों के साथ सम्बन्ध स्थापित करने ही होते हैं इसलिए सहअस्तित्व आज के विश्व की भूल अनिवार्यता है, परन्तु स्वतंत्र एवं सम्प्रभु राष्ट्रों के मध्य यह सहअस्तित्व कैसे स्थापित हो और दीर्घकाल तक गतिशील बना रहे, यह विषय ही राजनीति विज्ञान विषय के लिए प्रेरणादायक एवं चिंतन का विषय वस्तु रहा है, अन्य राष्ट्रों के व्यवहार को समझकर उनके साथ प्रगाढ़ सम्बन्ध स्थापित करने की नीति आधुनिक युग के जीवन का ज्वलन्त वास्तविक सत्य है, इसीलिए भारत के अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों के विस्तार का अध्ययन उक्त शोध अध्ययन एवं राजनीति/सम्बन्ध के अध्ययन को प्रकाश में लाने की विशेष

आवश्यकता है।

आधुनिक विश्व विविधताओं और आवश्यकताओं का सम्मिश्रण है, कोई भी दो राष्ट्र एक समान नहीं, राष्ट्रों की आवश्यकताएँ, उनके लक्ष्य, उनकी नीतियों एवं उनके आचरणों में असमानता है, फिर भी सर्वमान्य संतुलित नीतियों के श्रृजन की प्रक्रिया चलती रहती है जिसके आधार पर नित नई नई नीतियाँ अस्तित्व में आती है, जैसे–जैसे राष्ट्र की आवश्यकताएँ बदलती है वैसे वैसे– उस राष्ट्र की विदेश नीति एवं अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों का विस्तार भी भिन्न भिन्न होता है, जिसके परिणामस्वरूप उस राष्ट्र के सम्बन्ध धीरे–धीरे परिवर्तित होते गये, एक समय था जब अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध सिर्फ यूरोपीय राष्ट्रों जैसे ग्रीक, इटली, जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन, मिश्र आदि तक सीमित था और यूरोपीय राष्ट्रों की आवश्यकताएँ उनकी महत्वाकांक्षाएँ और नीतियाँ ही अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों को संचालित करती थी, परन्तु अब ऐसा नहीं है। गैर यूरोपीय राष्ट्रों के स्वतंत्र रूप से अस्तित्व में आने के कारण अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के स्वरूप एवं उसके सम्बन्धों में जो विस्तार हुआ है, वह यूरोपीय प्रभुत्व की राजनीति और यूरोपीय हितों को संरक्षण की अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था को समाप्त कर उसके स्थान पर विश्व के अन्य महाद्वीपों जैसे अफ्रीका, उत्तरी अमरीका, दक्षिणी अमरीका और एशियाई राष्ट्रों की आवश्यकताओं और इच्छाओं को महत्व देने की नवीन प्रवृत्ति के विकास ने अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों के प्राचीन प्रतिस्थापित सिद्धान्तों और व्यवहारों को परिवर्तित कर दिया है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने न्यूयार्क पैलेस होटल में अमरीका की 11 शीर्ष कम्पनियों के प्रमुख से मुलाकात की। उन्होंने कापेरिक दिग्गजों के समक्ष सुशासन विकास न्यूनतम सकार अधिकतम प्रशासन पर्यावरण पर शून्य असर लाल फीताशाही की जगह लाल कालीन पारदर्शिता मेक इन इंडिया पर्यटन और आतंकवाद लोकतंत्र जनसांख्यिकी लाभांश और मांग जैसे महत्वपूर्ण कारकों को रख उनका यह कथन महत्वपूर्ण था कि मेरे पास मानव श्रम है और आपके पास पैसा है, मेरे पास प्रतिभा है, आपके पास व्यावसायिक अनुभव है, साथ ही उन्होंने कारोबार की सुविधा के लिए आगामी छह महीनों में महत्वपूर्ण फैसले लेने की बात भी की ताकि भारत को आसान कारोबार सम्भावना वाले देशों में सबसे ऊपर स्थान मिल सके, वैश्विक कम्पनियों के साथ अपनी बैठक में प्रधानमंत्री उन्हें यह विश्वास दिलाने में कामयाब हुए कि भारत में आसानी से व्यापार करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं जिनमें नौकरशाही प्रक्रियाओं को सरल करना और श्रम कानून भूमि अधिग्रहण और टैक्स में सुधार भी शामिल है। श्री मोदी से मिलने वालों में गूगल के एरिक श्मिट सिटी ग्रुप के माइकल कोरबेट मास्टर कार्ड के अजय बंगा और पेप्सिको की इंदिरा लुई शामिल थी। मोदी की यह बैठक हाल में घोषित भारत में मेक इन इण्डिया अभियान और भारत को एक वैश्विक विनिर्माण हब बनाने के सपने को मूर्त रूप देने के लिए भी महत्वपूर्ण थी क्योंकि इसमें देशी (विदेशी कम्पनियों के लिए धारी निवेश की व्यवस्था है, इसमें अलाव भारत में विश्वस्तरीय बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए पूंजी की आवश्यकता है, बोइंग कम्पनी के प्रमुख जेम्स मेकनर्वी के साथ उनकी अलग से हुई बातचीत में मैकन्नी ने बोइंग का भारत में भारत के साथ अपना सम्बन्ध बढ़ाने की इच्छा व्यक्त की। आईवीएस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी वर्जिनिया रोमनेटी के साथ एक अन्य बैंक में प्रधानमंत्री में स्मार्ट सिटी और डिजिटल इंडिया पहल के लिए सॉफ्टवेयर पर चर्चा की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति बराक ओबामा के मध्य वाशिंगटन में 29–30 सितम्बर 2014 को शिखर वार्ता हुई, दोनों नेताओं के बीच चली 90 मिनट की बैठक में भारत–अमरीकी द्विपक्षीय सम्बन्धों को नए स्तर पर ले जाने के लिए आर्थिक सहयोग व्यापार और निवेश पर अपने को कोसल किया गया और असैन्य परमाणु करार को लागू करने में आ रही बाधाओं को दूर करने तथा आतंकवाद से लड़ने में परस्पर सहयोग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई, वार्ता के दौरान में अमरीका द्वारा भारतीय पक्ष को न्यूक्लियर सप्लायर्स ग्रुप (एनएसजी) और मिसाइल टेक्नोलॉजी कंट्रोल रिसीव की सदस्यता हेतु सभी अपेक्षाओं में महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे भारत वैश्विक परमाणु प्रणाली का हिस्सा बन जाएगा, विश्व को परमाणु ऊर्जा और फार्मास्यूटिकल्स और अन्तरिक्ष जैसे क्षेत्र में दोहरे उपयोग की प्रौद्योगिकी में पहुंच सुनिश्चित होती है। विश्व अथवा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत से व्यापारिक सम्बन्ध के सम्बन्ध में प्रधानमंत्री ने भारत का रूख दोहराते हुए कहा कि भारत जैसे गरीब लोगों के देश में खाद्य सुरक्षा और व्यापार सुविधा समझौता साथ–साथ चलने चाहिए। [2]

भारत के अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों का विस्तार के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति बराक ओबामा के बीच वार्ता के बाद भारत में 100 स्मार्ट शहरों के विकास के कार्यक्रम को आगे बढ़ाने की योजना के तहत अमेरिका ने भारत में इलाहाबाद, अजमेर और विशाखापट्टनम शहरों के विकास में सहयोग देने और भारत के 500 शहरों में नागरिक संगठनों और स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर स्वच्छ पेयजल और जल मल निकासी सुविधा प्रदान करने के लिए काम करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। स्मरण रहे कि सरकार ने 100 स्मार्ट शहरों के विकास की योजना बनाई है और इस सम्बन्ध में केन्द्रीय बजट 2014–15 मे रू. 7060 करोड़ के आवंटन का प्रस्ताव किया गया। आज अमरीकी कम्पनियों के पास निवेश के लायक 20.5 खरब डालर की पूंजी है।

भारत और रूस के साथ सम्बन्ध (नवम्बर 2014 मोदी और पुतिन वार्ता) – भारत और रूस के साथ मधुर सम्बन्ध बनाने में वर्तमान प्रधानमंत्री श्री मोदी के विशेष पहल में पुतिन के साथ वार्ता हुई। भारत द्वारा रूस के ऊपर रक्षा निर्भरता कम करने की नीति अपनाई। नवम्बर 2014 को सोवियत रूस की उपप्रधानमंत्री रोजोजिन ने नई दिल्ली की यात्रा की उन्होने भारत रूस अन्तर सरकारी आयोग की बैठक में व्यापार आर्थिक वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकी तथा सांस्कृतिक सहयोग को मजबूत बनाने के लिए कहा कि दोनों देशों के मध्य विशेष सामरिक भागीदारी आरम्भ रहेगी। बैठक में अन्तर्राष्ट्रीय उत्तर दक्षिण कारीडोर परियोजना को प्राथमिकता को देने की सहमति प्रदान की। दोनों देशों के मध्य मुक्त व्यापार, समझौता के साथ–साथ सीमा शुल्क ऊर्जा, नागरिक उड्डयन, स्मार्टसिटी, परियोजना में रूस की भागीदारी के साथ ही हीरा व्यापार को बढ़ावा देने के लिए समझौते हुए।

रूस के राष्ट्रपति लादीमीर पुतिन ने 11 दिसम्बर 2014 को नई दिल्ली का दौरा किया। दोनों देशों ने व्यापार और ऊर्जा सहयोग के रूप में सन् 2025 तक द्विपक्षीय व्यापार को 30 अरब अमरीकी डालर निर्धारित लक्ष्य रखा। पश्चिमी प्रतिवादी को बढ़ाने की पृष्ठभूमि पर पुतिन ने भारत के साथ गैस पाइप लाइन के निर्माण के लिए 400 अरब डालर का समझौता किया। इसके अतिरिक्त भारत और रूस के साथ दोनों देशों के बीच 16 समझौते किए।

लम्बी अवधि के लिए तेल और गैस में सहयोग पर करार और ओएनजीसी विदेश और भारत के एस्सार आयल और रूस की रोजनेपत्र, गैसप्रूम के बीच हस्ताक्षर किए गये हैं, पुतिन ने कहून कुलम संयत्र के लिए और अधिक इकाइयों को जोड़ने सहित अगले 20 वर्ष में 10 वर्ष से अधिक परमाणु रियेक्टरों को स्थापित करने का आश्वासन दिया। द्विपक्षीय सम्बन्धों ने एक और तेजी से बढ़ता पहलू डायमंड ट्रेडिंग के रूप में उभरा है। सोवियत रूस कच्चे हीरे का सबसे बड़ा उत्पादक है उन्हें भारत में कटौत्री और कच्चे हीरे चमकाने का वैश्विक केन्द्र है। रूस भारत सीधे दुबई और बेल्जियम जैसे मध्यस्थों को दरकिनार करने के लिए कच्चे हीरे के निर्यात करने के लिए पूर्णतः सहमत हो गया है।

शिखर सम्मेलन में मोदी रूस निर्मित पोलआईएनएस विक्रमादित्य सैन्य सहयोग का एक उदाहरण के रूप में तेजी से बढते साथ

अपने अनुभव के बारे में उल्लेख किया और कहा कि लम्बे समय तक रक्षा सम्बन्ध संकेत के रूप में भी भारत के लिए विकल्पों में वृद्धि हुई है। रूस भारत के साथ शीर्ष रक्षा भागीदार रहने के लिए सहमत हैं। दोनों पक्षों ने मिल एम.आई 17 और कामोद के ए 226 के संयुक्त उत्पादन पर सहमति व्यक्त की। भारत द्वारा कार्यक्रम में और भी तेजी से संयुक्त विकास और उत्पादन की तरह लम्बे समय से लम्बित प्रमुख परिवहन विमान सहयोग शामिल है। पांचवी पीढ़ी के लड़ाकू संयुक्त मंच सुखोर्ठ एच ए एल एफ.जी.एफ.ए. के अन्तिम डिजाइन अनुबंध करने के लिए आईएमएस चक्र के बाद रूस से पनडुब्बी जो सेवा में पहले से ही है।

भारत रूस 23 घंटे में 20 समझौते – सोवियत रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने 15 मिनट और 26 घंटे की भारत यात्रा के दौरान और भारतीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ एक हैदराबाद हाउस में शिखर बैठक में महत्वपूर्ण समझौते हुए।

भारत रूस 2015 शिखर बैठक – भारत और रूस की वार्षिक शिखर बैठक मास्को में 24 दिसम्बर 2015 को आयोजित हुई यह द्वितीय शिखर बैठक भी इसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी और रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने भाग लिया। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सहयोग का और अधिक प्रगाढ़ करने के लिए 16 सूत्रीय समझौते पर हस्ताक्षर किए और साझा बयान जारी किया जिसके विशेष परिप्रेक्ष्य में कुछ विन्दु इस प्रकार है– [3]

1- प्रोटोकाल दोनो देशों के नागरिकों की कुछ श्रेणियों की आपसी यात्रा के लिए आवश्यकताओं के सरलीकरण और समझौते में संशोधन।
2- राजनयिक और अधिकारिक पासपोर्ट धारकों के लिए आपसी पर्यटन शासन पर भारत और रूस के बीच प्रोटोकाल में संशोधन समझौता।
3- हेलीकाप्टर इंजीनियरिंग के क्षेत्र में परस्पर आपसी सहयोग।
4- 2015 सीमाशुल्क के उल्लंघन का मुकाबला करने के लिए उत्पाद एवं सीमा शुल्क राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय भारत और सोवियत रूस के केन्द्रीय बोर्ड की संकाय सीमा शुल्क सेवा के बीच सहयोग के लिए योजना 2017।

ऊपरी सतह पर भारत रूस सम्बन्धों को ठण्डा होना दिखाई देते हैं, क्योंकि संयुक्त राज्य अमेरिका और इजरायल नाटकीय रूप से भारत के लिए हथियारों की बिक्री में वृद्धि हुई है। दिल्ली, वांशिगटन, केनवरा और टोकियो के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास के लिए उत्सुक किया गया है और इन घटनाओं को रक्षा, ऊर्जा और उद्योग में एक महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में फ्रांस भी उभर रहा है, इस बीच सोवियत रूस ने भारत को रूसी हथियारों की बिक्री कम हो गई।

नवम्बर 2014 में सोवियत रूस द्वारा पाकिस्तान का एम.आई. 35 हेलीकाप्टरी हमले सहमति और इस्लामी राष्ट्र के साथ अपनी पहली संयुक्त सैन्य अभ्यास आयोजित करने की योजना बनाई है। बीजिंग के साथ मास्कों के सम्बन्धों को भी है। क्रीमिया में संघर्ष खत्म पश्चिमी देशों के साथ सम्बन्धों की तेजी से बिगड़ती स्थिति के बिगड़ते मद्देनजर वृद्धि देखी है। भारत के लिए विशेष चिन्ता का एक 400 और उन्नत सुखोई 35 चीन की हवा श्रेष्ठता सेनानी के रूसी विक्री की है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पुतिन ने मास्कों में एक संवाददाता सम्मेलन और नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति पुतिन को मास्कों में सम्मेलन के बाद मोदी जी की यात्रा ने सब कुछ बदल दिया है लगता है।

मोदी पुतिन वार्ता 2019 – संघई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में किर्गिस्तान की राजधानी विश्लेक में 13 जून सन् 2019 को वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सोवियत रूस के राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात की और दोनों नेताओं ने आपसी राजनीतिक सम्बन्धों को और अधिक मजबूत करने के लिए द्विपक्षीय रिश्तों के लिए सभी पहलुओं की समीक्षा की।

सूचना प्रौद्योगिकी का विस्तार –

सूचना का प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत तेजी से प्रगति कर रहा है, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश की सूचना और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र ने भारत को आत्मनिर्भर बनाने तथा संचार व्यवस्था को चुस्त दुरूस्त करने में बड़ी कुशलता से पहल की है। यद्यपि इक्कीसवीं सदी में भारतीय संचार व्यवस्था विश्व का सबसे बड़ा नेटवर्क की मंजिल पर पहुंच चुका है, वर्तमान समय में ग्रामीण और शहरी उक्त दोनों क्षेत्रों में इसका विस्तार से देश का औद्योगिक, व्यापारिक, आर्थिक, सामाजिक विकास के साथ सर्वागीण विकास में तीव्रता संभव हो सकेगी। संचार के प्रमुख साधनों जैसे–डाक व्यवस्था, टेलीफोन सुविधाएँ, साइबर, टेलीविजन सुविधाएँ, इंटरनेट की सुविधा आदि प्रौद्योगिकी के विस्तार के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण सिद्ध हुये हैं।

सूचना और प्रौद्योगिकी का एक स्वतंत्र मंत्रालय अधिसूचित किया गया है जिसके अन्तर्गत दूरसंचार, टेलीफोन, साइबर, इंटरनेट सूचना प्रौद्योगिकी और डाक विभाग आदि शामिल है। [4]

वर्ष 2004 में भारत देश मे मोबाइल उपभोक्ता की संख्या 3.56 करोड़ थी जो वर्ष 2015–16 के अन्त तक बढ़कर 30 करोड़ 45 लाख हो गई, इस समय अन्तर्राष्ट्रीय संचार में उपग्रह संचार में भी क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं। दूरसंचार नीति के तहत परिणाम मूलक राष्ट्रीय लम्बी दूरी सेवा नियंत्रण रहित प्रवेश हेतु व्यवस्था को शुरू कर दी गई है। शहरी, अर्द्धशहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में शीघ्र ही टेलीफोन कनेक्सन उपलब्ध कराने हेतु वायरलेस इन लोकल लूप की सेवा आरंभ की गई। इसी प्रकार निजी क्षेत्र की भागीदारी मे तेजी से वृद्धि हो रही है। निजी क्षेत्र का हिस्सा 2004 में 39.2 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2014–15 में 87.1 प्रतिशत हो गया। ज्ञान आधारित समाज की प्रगति और दिशा में परिवर्तन के उद्देश्य से ब्राड बैंड सुविधाओं का विस्तार किया गया । नवम्बर 2015 तक इनकी संख्या 8 करोड़ 22 लाख तक पहुंच गई है।

डिजिटल इण्डिया का सपना –

वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 1 जुलाई 2015 दिल्ली के इंदिरा गांधी इन्डोर स्टेडियम में सर्वप्रथम डिजिटल इण्डिया की शुरूआत की है। इसका प्रमुख उद्देश्य देश के पूरे व्यवस्था को इण्टरनेट से जोड़कर शासन प्रशासन के कामकाजों में पारदर्शिता लाना तथा हर नागरिक की डिजिटल शक्ति प्रदान करना है। डिजिटल इण्डिया की निगरानी प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में बनी कमेटी कार्य करती है, जिसमें वित्त, आईटी मानव संसाधन, शहरी विकास तथा स्वास्थ्य मंत्री सदस्य हैं।

मोदी जी ने इलेक्ट्रानिक सुविधाओं में विस्तार पर जोर देते हुए सम्पूर्ण देश को इंटरनेट सुविधा उपलब्ध कराने की विशेष पहल की है। डिजिटल सुविधा के चलते नवीन परिवहन मार्गों का विकास में काफी सरलता हुई है, नवीन सड़कों का विस्तार, समुद्री परिवहन का विकास एवं परिवहन के अन्य साधनों का विस्तार में आशातीत सफलता मिलने की प्रचुर सम्भावनाएँ हैं, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के माध्यम से देश के सभी ग्रामों की प्रधानमंत्री सड़क योजना का लाभ पहुंचाकर पक्की सड़कों का जाल फैलाने में कार्य किया गया है।

डिजिटल सुविधा उपलब्ध हो जाने से ग्रामीण क्षेत्रों में भी घर–घर, गाँव–गाँव मे लोग इलेक्ट्रानिक सुविधा का भरपूर लाभ घर बैठे उठा रहे हैं, जन्म से लेकर मृत्यु तक का प्रमाण पत्र अपने ही ग्राम पंचायत में 21 दिन के अन्दर घर बैठे प्राप्त कर रहे हैं, ये प्रमाण पत्र इंटरनेट के माध्यम से कम्प्यूटरीय कृत प्रति

प्राप्त कर डिजिटल सुविधा को प्राप्त करते हैं। आज गाँव में रहने वाला हर गरीब परिवार, कृषक, मजदूर, आम नागरिक, माँताएँ, बहने, भाई, युवा बैंकों में जमा पैसा इंटरनेट से कनेक्ट कर कम्प्यूटर द्वारा घर बैठे अंगूठा लगाकर अपना पैसा निकलने में सक्षम हो सका है, बड़े–बड़े शहरों से लेकर नगरों, कस्बों, ग्रामों एवं आदिवासी बाहुल्य सुदूर क्षेत्रों में भी इलेक्ट्रानिक सुविधा, टावर, ब्राड बैण्ड, ई मार्केटिंग, इमेल, वाट्सएप, ग्राहक सेवा केन्द्र, ई पेमेन्ट की सुविधा उपलब्ध हो चुकी है, हितग्राही एवं आम नागरिक नेट बैंकिंग एवं इ मार्केटिंग द्वारा राशि का लेन–देन करने में सक्षम है। ग्रामीण कृषक बायोमैट्रिक मशीन में उचित मूल्य की दुकान, सेवा सहकारी समिति से अपना राशन, खाद्यान्न और सोसायटी से उचित मूल्य पर उर्वरक (खाद) बीज, उन्नतशील कीटनाशक आदि का क्रय विक्रय का लाभ पा रहा है। डिजिटल इण्डिया का सपना सम्पूर्ण देश में शासकीय योजनाओं, शासन प्रशासन की गतिविधियों, सभी प्रकार की सूचनाओं का आदान–प्रदान इलेक्ट्रिानिक मीडिया, कम्प्यूटर, इंटरनेट के माध्यम से हुए लाकडाउन तथा शैक्षणिक संस्थाओं के बंद होने की स्थिति में शिक्षक और विद्यार्थी इंटरनेट अथवा कम्प्यूटर या मोबाइल से आनलाइन कक्षाएँ न चलने से शासन द्वारा शिक्षकों को आनलाइन लिंक भेजने एवं लिंक से जोड़कर छात्रों को पाठ्यक्रम पूर्ण करने एवं विषय सम्बन्धी छात्रों की कठिनाई आन लाइन हल करने हेतु शिक्षको को निर्देशित किया गया है।

स्वास्थ्य एवं स्वच्छ भारत –

वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने लोकसभा चुनाव 2014 के चुनाव प्रचार अभियान के दौरान वाराणसी में 17 मई 2014 को स्वच्छ इण्डिया मिशन की नींव रखी। गंगा मइया को साक्षी बनाया। इस अवसर पर देशवासियों को आहवान किया कि वे स्वच्छ भारत के स्वप्न को साकार करे। देवाधिदेव के रूद्राभिषेक के बाद माँ गंगा के आंचल को स्वच्छ करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहरायी। बोले यह काम हम सभी को मिलकर करना होगा। आखिर कब तक स्वच्छता के मामले में हम सिंगापुर जैसे देशों को नजीर के तौर पर देश को खुद को कोसते रहेंगे। आज हम सब मिलकर संकल्प लेते हैं कि वर्ष 2009 में महात्मा गांधी की 15वीं जयंती तक स्वच्छता के सपने को साकार करेंगे। बनारस के दशाश्वमेघ घाट पर गंगा आरती के बाद यहां से नव निर्वाचित सांसद नरेन्द्र मोदी ने अपनी जीत के लिए मतदाताओं के प्रति आभार जताया। बोले यह अद्भुत है कि काशी की जनता ने बिना अपने प्रत्याशी नरेन्द्र मोदी को सुने उसे जीत सौंप दी। बनारस में मेरे मुंह पर ताला लगा दिया गया था। नामांकन के लिए आया तो लोगों से मौन संवाद किया। उस मौन संवाद को भरपूर समर्थन मिला। अपने भाषण के दौरान बार–बार माँ गंगा का जिक्र करते हुए कहा– मेरी इस मां ने मेरे लिये कई लक्ष्य तय किये हैं। जब–जब जो निर्देश माँ गंगा की ओर से मिलेगा उसे पूरा करूंगा। शायद मां गंगा की सेवा भी मेरे ही हिस्से लिखी थी, मैं इस काम को जरूर करूंगा। मोदी ने कहा– काशी को उसके पुराने आध्यात्मिक गौरव की ऊंचाई तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। बनारस के राष्ट्र गुरू बने बिना भारत जगतगुरू नहीं बन सकता। देश अतीत की तरह आध्यात्मिक ऊँचाई पर पहुंचेगा तो स्वतः आर्थिक वैभव प्राप्त हो जाएगा। इसी खासियत की वजह से इतिहास में कभी भारत सोने की चिड़िया थी। उन्होंने कहा कि ऐसा पहली बार होगा जब देश का नेतृत्व अंग्रेजों की गुलामी के बाद स्वतंत्र भारत में पैदा हुए लोगों के हाथ में होगा। भाजपा की ऐतिहासिक जीत के लिए उन्होंने आभार जताते हुए कहा कि अबकी बार जनता ने अन्य सभी दलों को ऐसा करारा चांटा मारा कि विपक्ष तैयार करने के लिये भी उन्हें गठबंधन करना पड़ेगा। [5]

मोदी जी स्वास्थ्य एवं स्वच्छ भारत का सपना साकार करने हेतु प्रधानमंत्री बनने के बाद 2 अक्टूबर 2014 को साफ सफाई को बढ़ावा देने के लिए स्वच्छ भारत अभियान का शुभारंभ किया, उसके बाद पिछले साढ़े चार वर्षों में मोदी सरकार ने कई ऐसे पहले की जिनकी जनता के बीच खूब चर्चा रही। स्वच्छ भारत अभियान भी ऐसी ही पहलों में से एक है। सरकार ने जागरूकता अभियान के तहत लोगों को सफाई के लिये प्रेरित करने की दिशा में कदम उठाए। देश को खुले में शौच मुक्त करने के लिये भी अभियान के तह प्रचार किया। साथ ही देश भर में शौचालयों का निर्माण भी कराया गया। सरकार ने देश में साफ सफाई के खर्च को बढ़ाने के लिये स्वच्छ भारत चुंगी (सेस) की भी शुरूआत की। स्वच्छ भारत स्वच्छता की ओर टैग लाइन भी रखी गई।

स्वच्छ भारत अभियान के सफल कार्यान्वयन हेतु भारत के सभी नागरिकों से इस अभियान से जुड़ने की अपील की। इस अभियान का उद्देश्य पांच वर्ष में स्वच्छ भारत का लक्ष्य प्राप्त करना है ताकि बापू की 150वीं जयन्ती को इस लक्ष्य की प्राप्ति के रूप में मनाया जा सके। स्वच्छ भारत अभियान सफाई करने की दिशा में प्रतिवर्ष 100 घंटे का श्रमदान के लिए लोगों को प्रेरित किया। [6]

स्वच्छता की सेवा – वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 सितम्बर 2018 को ''स्वच्छता की सेवा'' अभियान आरम्भ किया और जनमानस को इससे जुड़ने का आग्रह किया। राष्ट्र पिता महात्मा गाँधी के 150 जयंती वर्ष के औपचारिक शुरूआत से पहले 15 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का बड़े पैमाने पर आयोजन किया जा रहा है। इससे पहले मोदी ने समाज के विभिन्न वर्गों के करीब 2000 लोगों को पत्र लिखकर इस इकाई पर साफ–सफाई अभियान का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया, ताकि इस अभियान को सफल बनाया जा सके।

स्वच्छता अभियान के माध्यम से सम्पूर्ण देश की जनता को जागरूक बनाने का प्रयास किया गया है, देश के गरीबों, वी.पी. एल. कार्ड धारकों को शौचालय निर्माण हेतु (राशि) आर्थिक सहायता उपलब्ध कराकर स्वच्छ भारत मिशन को सफल बनाने हेतु प्रयास किये जा रहे हैं। सम्पूर्ण भारत में स्वच्छता अभियान के तहत साफ–सफाई, जल निकासी, कूड़ा–कचरा, एवं प्रदूषण नियंत्रण पर अनेक प्रयास किये जा रहे हैं, सम्पूर्ण पर्यावरण को साफ–सुथरा एवं देश को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए मोदी सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में उज्जवला गैस योजना चलाकर रसोई को धुंआ रहित वातावरण बनाने के उद्देश्य से प्रयास किये हैं।

मोदी जी देश की स्वच्छता के लिए अनेक पहल की है। भारत सरकार द्वारा निर्मल भारत अभियान की नवीन कार्यक्रम स्वच्छ भारत मिशन के रूप में संचालित करने का निर्णय लिया गया है। इस अभियान के अन्तर्गत व्यक्तिगत शौचालयों के निर्माण हेतु 12000/–(बारह हजार) का प्रावधान किया गया है जिसमें स्वच्छ शौचालय के साथ जल की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु पानी की टंकी तथा हाथ धुलाई हेतु वास वेसिन निर्मित करना अनिवार्य है। इस राशि की परिवार है, साथ ही ऐसे गैर बी.पी.एल. परिवार जो अनुसूचित जाति, जनजाति, विधवा, परित्यक्ता, विकलांग, लघु सीमान्त या सीमान्त परिवार हो यह लाभ इन्दिरा आवास योजना के हितग्राहियों को भी उपलब्ध होगा। पात्र हितग्राही स्वयं अपना स्वच्छ शौचालय निर्मित कर प्रोत्साहन राशि प्राप्त कर सकते हैं। अथवा ग्राम पंचायत के माध्यम से भी शौचालय का निर्माण करवा सकते हैं।

स्वच्छ भारत अभियान के तहत ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन हेतु ग्राम पंचायतों की वित्तीय सहायता हेतु प्रावधान किये गये है। स्वच्छ भारत अभियान के तहत सम्पूर्ण देश के सभी शासकीय शालाओं के लिये शौचालय निर्माण का प्रावधान है। साथ ही सभी आंगनवाड़ी केन्द्रों में बाल अनुकूल शौचालयों के निर्माण का प्रावधान है।

स्वच्छ भारत अभियान के तहत सामुदायिक स्वच्छता परिसर हाट–बाजारों एवं अन्य जगहों जहां लोगों की भीड़ अथवा अधिक संख्या में आवाजाही होती है, वहां पर सामुदायिक शौचालयों का निर्माण कराये जाने का प्रावधान ही केन्द्र सरकार द्वारा ग्रामीण हाट बाजारों, धार्मिक स्थलों, मेलों, ग्रामीण बस स्टैण्डों पर सामुदायिक स्वच्छता परिसरों का निर्माण कराया गया है।

निष्कर्ष :

निष्कर्षतः भारत के वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता एवं प्रभावी कदम के चलते भारत का अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में तेजी से मधुरता आई है, इन्होने विश्व के अनेक विकसित, विकासशील एवं अन्य पड़ोसी देशों के साथ अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में विस्तार करते हुए अनेक महत्वपूर्ण सामाजिक, आर्थिक और सामरिक निर्णय पर बड़ी लोकप्रियता से समीक्षा करते हुए विस्तार किए हैं।

वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने सूचना और प्रौद्योगिकी के विस्तार में युद्ध स्तर पर क्रांति लाने का अथक प्रयास कर रहे हैं, सूचना प्रौद्योगिकी के विस्तार हेतु कारगर प्रगति हो रही है, इलेक्ट्रानिक माध्यमों का उत्पादन, इलेक्ट्रानिक माध्यम से सूचना भेजना तथा उक्त माध्यम से सूचना प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करने में तेजी से विस्तार हुआ है।

मोदी जी के प्रभावी कदम के चलते आज सम्पूर्ण देश में डिजिटल इण्डिया का सपना साकार होने की स्थिति में ही अपवादस्वरूप कुछ भौगोलिक परिस्थितियों व स्थानीय संसाधनों के कारण कुछ इंटरनेट जैसी समस्याओं की मौजूदगी ज्ञातव्य है किंतु आने वाले हाल के कुछ वर्षों में इन समस्याओं का निदान संभव हो सकेगा। अतः आशा है कि वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा प्रायोजित डिजिटल इण्डिया का सपना जैसे जनहितकारी कार्यक्रम के चलते उक्त परिस्थितियों एवं स्थानीय संसाधनों के कारण आने वाली समस्याओं का निदान समय पर हो सकेगा तथा ऐसे क्षेत्रों में भी इलेक्ट्रानिक सुविधा, इंटरनेट, आनलाइन शिक्षण कार्य का निष्पादन करने में कोई कठिनाई नहीं होगी।

प्रधानमंत्री श्री मोदी सरकार द्वारा स्वच्छ भारत अभियान के तहत नवीन कार्यक्रम स्वच्छ भारत एक कदम स्वच्छता की ओर अभियान चलाया जा रहा है। स्वच्छता अभियान के तहत स्थानीय प्रशासन, जिला स्तर, जनपद पंचायत एवं ग्राम पंचायतों द्वारा अथक प्रयास किये जा रहे हैं किंतु शत/प्रतिशत परिणाम नहीं मिल सकता है।

इस प्रकार मोदी जी की लोकप्रियता एवं उनके द्वारा उठाये गये जनहितकारी कदम से केन्द्र सरकार द्वारा अनेक नीतियों का निर्माण, योजनाओं का क्रियान्वयन किये गये हैं, जिसका प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष लाभ देश की लगभग एक सौ पैंतीस करोड़ आबादी को मिल रहा है, मोदी सरकार अपने संवैधानिक एवं कानूनी सुधार के चलते देश की गरीब जनता, युवा, बेरोजगार, श्रमिक, बाल, वृद्ध, निःशक्त जन आदि सभी वर्ग के लोगों के हितों को ध्यान में रखकर कदम उठा रही है। केन्द्र सरकार द्वारा उपरोक्त कानूनी सुधार, जनहितकारी योजना चलाये जा रहे अभियान से सम्पूर्ण देश के सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक विकास के साथ समग्र विकास में तीव्रता संभव हो सकेगी।

संदर्भ

1. सिंह मीनाक्षी (2014), प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी – एक संघर्षगाथा, दरियागंज, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण 2014, पृष्ठ 133–134.
2. भारद्वाज रामदेव (2017), भारत एवं अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल, अष्टम संस्करण, पृष्ठ 298–99.
3. भारद्वाज रामदेव (2020), भारत की विदेश नीति, प्रथम संस्करण, म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, रवीन्द्रनाथ ठाकुर मार्ग बाणगंगा, भोपाल, पृष्ठ 357–359.
4. तिवारी ऋतु (2019), भारतीय अर्थव्यवस्था, प्रथम संस्करण, म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, रवीन्द्रनाथ ठाकुर मार्ग बाणगंगा, भोपाल, पृष्ठ 172–173.
5. सिंह मीनाक्षी (2014), प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी – एक संघर्षगाथा, प्रथम संस्करण, ओमेगा पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली, पृष्ठ 151–154.
6. पंचायत दर्शिका (2015), पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, म.प्र. द्वारा प्रकाशित, पृष्ठ 86–89.